RNI Title Code : MPBIL02445

सेवा मंथन

वर्ष 2 अंक 17 (पाक्षिक) इन्दौर, 1से 15 सितम्बर 2022 पृष्ठ 8 मूल्य 10 रुपये

हमारी प्राथमिकता हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराना-प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल के कोचिंग में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र सरकार की उपलब्धियों का बखान किया और दावा किया कि उनकी सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास तथा सबके प्रयास के मंत्र पर चल रही है। पीएम मोदी ने अपने बयान में कहा कि आजादी का अमृतकाल, भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प पर काम करने का है और इसमें केरल के परिश्रमी लोगों की बहुत बड़ी भूमिका है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र पर चलते हुए भाजपा की सरकार बड़े संकल्पों को सिद्धि में बदल रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता देश के हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराना और आधुनिक बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार देश के हर गरीब को पक्का घर देने का अभियान चला रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत केरला के गरीबों के लिए भी लगभग दो लाख पक्के घर स्वीकृत किए गए हैं। मुझे खुशी है कि इसमें से एक लाख 30 हजार से ज्यादा

घर पूरे किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता गरीब, दलित, पीड़ित, वंछित, आदिवासी सभी तक मूलभूत सुविधाओं को पहुंचाने की है। मोदी ने दावा किया कि भाजपा के नेतृत्व में चल रही केंद्र की एनडीए सरकार केरल के लोगों की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के प्रति बहुत ही संवेदनशील है। हमारी सरकार देश के हर गरीब को पक्का घर देने का अभियान चला रही है। इश आवास योजना के तहत केरला के गरीबों के लिए भी लगभग दो लाख पक्के घर स्वीकृत किए गए हैं।

अपने संबोधन में नरेंद्र मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार हर जिले में कम से कम एक मेडिकल कॉलेज खोलने पर बल दे रही है। इस योजना का बहुत बड़ा फायदा केरल के युवाओं को होगा। आजादी के अमृत काल में देश आधुनिक बुनियादी ढांचों पर बहुत ज्यादा बल दे रहा है। केरल में कई योजनाओं पर केंद्र सरकार लगभग 1 लाख करोड़ रुपये खर्च कर रही है। मोदी ने दावा कियी कि पूरे देश में जहां-जहां बीजेपी की सरकार है, वहां विकास की रफ्तार तेज है इसकी वजह है केंद्र और राज्य में डबल इंजन वाली सरकार। यही सरकार केरल के विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मदद कर सकती है।

कानून-व्यवस्था और सामाजिक समरसता बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी-मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था और सामाजिक समरसता बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। आगामी त्यौहारों के दिनों में हर स्तर और हर क्षेत्र में सतर्कता बनाए रखें। साप्ताहिक आधार पर कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान मंत्रालय में प्रदेश में कानून-व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजौरा, पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि समाज में असंतोष फैलाने की कोशिशों के बीच हम मूकदर्शक बन कर बैठे नहीं रह सकते। प्रदेश के विभिन्न भागों में हो रही इस प्रकार की गतिविधियों के संबंध में संवेदनशील रहें और विभिन्न वर्गों के साथ सतत संवाद बनाएँ रखें। समस्याओं का समाधान बातचीत से हल करने की कोशिश की जाए। आवश्यक होने पर कठोर कार्यवाही करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने गुंडों और ड्रग्स के कारोबार में लगे व्यक्तियों के विरूद्ध सख्त और प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जानकारी दी गई कि आने वाले त्यौहारों को देखते हुए थाना स्तर पर शांति समिति की बैठक के साथ बेण्ड एवं डी.जे. के संचालकों और उत्सव एवं चल समारोह के आयोजनकर्ताओं के साथ पृथक-पृथक बैठक की जा रही है। आगामी त्यौहार शांति और सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हों, इसके लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह तैयार है।

मुझे जनता का सर्टिफिकेट चाहिए-कमलनाथ

छिंदवाड़ा। पहली बार प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ नगर निगम छिंदवाड़ा पहुंचे। यहां मेयर और कांग्रेस पार्षदों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान कमलनाथ ने मेयर के कक्ष में सभी अधिकारियों और कांग्रेस पार्षदों की बैठक लेकर दो टूक शब्दों में निगम को मॉडल बनाने के लिए काम करने की बात कही। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि निगम के कार्यों का सर्टिफिकेट मुझे जनता से चाहिए, जिसका मैं खुद रिव्यू करूंगा। उन्होंने यहां तक कहा कि शहर साफ-सुथरा दिखे, इसको लेकर प्रयास होने चाहिए। हमें हर काम को प्राथमिकता से करना पड़ेगा।

पूर्व सीएम ने अधिकारियों से सीधी बात करते हुए निगम के विकास से जुड़े प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा की। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर शहर का विकास नहीं रुकना चाहिए। इसके लिए जल्द से जल्द बजट स्वीकृत कराने की बात उन्होंने रखी। पीसीसी चीफ ने अपने पार्षदों, मेयर और निगम अधिकारी को दो टूक शब्दों में कहा कि वे निगम में ऐसा काम करें, जिससे स्वयं के अलावा दूसरों को भी तसल्ली मिले। 5 सालों में ऐसा काम होना चाहिए कि जो कागजों में नहीं जमीन पर दिखाई दे।

'सीमा की स्थिति' भारत-चीन के आगे के संबंधों को तय करेगी-जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि 'सीमा की स्थिति' भारत और चीन के बीच आगे के संबंधों को तय करेगी। साथ ही उन्होंने जोर दिया कि संबंध पारस्परिक संवेदनशीलता, पारस्परिक सम्मान और पारस्परिक हित पर आधारित होने चाहिए। पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले कई बिंदुओं पर दोनों देशों में जारी सैन्य गतिरोध के बीच विदेश मंत्री की यह टिप्पणी आई है।

'एशिया सोसायटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट' की शुरूआत के अवसर पर एक समरोह को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि एशिया का भविष्य काफी हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि निकट भविष्य में भारत और चीन के बीच संबंध कैसे विकसित होते हैं। उन्होंने कहा, ''सकारात्मक पथ पर लौटने और टिकाऊ बने रहने के लिए संबंधों को तीन चीजों पर आधारित होना चाहिए - पारस्परिक संवेदनशीलता, पारस्परिक सम्मान और पारस्परिक हित।'' विदेश मंत्री ने कहा, ''उनकी वर्तमान स्थिति, निश्चित रूप से आप सभी को अच्छी तरह से पता है। मैं केवल यह दोहरा सकता हूं कि सीमा की स्थिति आगे संबंधों को तय करेगी।''

भारतीय और चीनी सैनिकों का पूर्वी लद्दाख में दो साल से ज्यादा समय से टकराव वाले कई स्थानों पर गतिरोध बना हुआ है। उच्च स्तरीय सैन्य वार्ता के परिणामस्वरूप दोनों पक्ष क्षेत्र के कई क्षेत्रों से पीछे हटे हैं। हालांकि, दोनों पक्षों को टकराव वाले शेष बिंदुओं पर जारी गतिरोध को दूर करने में कोई सफलता नहीं मिली है। उच्च स्तरीय सैन्य वार्ता का अंतिम दौर पिछले महीने हुआ था लेकिन गतिरोध दूर करने में कामयाबी नहीं मिली। एशिया के लिए समग्र दृष्टिकोण पर जयशंकर ने कहा कि एक 'एशियाई वर्चस्ववाद' का संकीर्ण नजरिया दरअसल महाद्वीप के अपने हित के खिलाफ है।

उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से एशिया इतना ऊर्जावान और रचनात्मक है कि वह अन्य क्षेत्रों के खुले दरवाजों से लाभ उठाना चाहेगा। यह स्पष्ट रूप से एकतरफा रास्ता नहीं हो सकता है।'' विदेश मंत्री चीन की नीतियों का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए कहा, ''ऐसा दृष्टिकोण वैश्वीकरण की भावना के खिलाफ भी है। चाहे वह संसाधन, बाजार या आपूर्ति श्रृंखला हो, इन्हें अब विभाजित नहीं किया जा सकता है।'' जयशंकर ने यह भी कहा, ''एशिया की संभावनाएं और चुनौतियां आज काफी हद तक हिंद-प्रशांत क्षेत्र के विकास पर निर्भर हैं। वास्तव में, अवधारणा ही विभाजित एशिया का प्रतिबिंब है, क्योंकि कुछ का इस क्षेत्र को कम एकजुट और संवादात्मक बनाए रखने में निहित स्वार्थ है।''

केजरीवाल की सरकार को गिराना चाहती है भाजपा-आतिशी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल विधानसभा के विशेष सत्र में विश्वास प्रस्ताव लाने वाले हैं। इस पर चर्चा के बाद मतदान हो सकता है या फिर ध्वनि मत से प्रस्ताव को पास किया जा सकता है। इसी बीच आम आदमी पार्टी विधायक आतिशी मार्लेना का बयान सामने आया है। जिसमें उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता भी जानना चाहती है कि जो सरकार दिल्ली में है क्या वह स्थिर है। समाचार एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में आम आदमी पार्टी विधायक आतिशी मार्लेना ने कहा कि भाजपा किसी तरह से अरविंद केजरीवाल की सरकार गिराना चाहती है। उनकी साजिश दिल्ली में नाकाम रही है। दिल्ली की जनता भी जानना चाहती है कि जो सरकार दिल्ली में है क्या वह स्थिर है क्या वह सरकार बनी हुई है। इसे लेकर आज विश्वास प्रस्ताव लाया जा रहा है। गौरतलब है कि दिल्ली आबकारी नीति मामले को लेकर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ सीबीआई कार्रवाई को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत पूरी पार्टी विपक्षी दल भाजपा पर हमलावर है। साथ ही साथ मुख्यमंत्री ने दावा किया था कि दिल्ली में ऑपरेशन लोटस विफल रहा है क्योंकि हमारे विधायक एकजुट हैं।

जल्द हटेगा इंदौर जिले में पिकनिक स्थलों, घाटों और नदियों पर जाने का प्रतिबंध

इंदौर। एक पखवाड़े पहले अतिवृष्टि और बाढ़ के हालात देखते हुए प्रशासन ने जिले में प्रमुख पिकनिक स्थलों, निस्तार घाटों और नदियों पर जाना प्रतिबंधित किया था, लेकिन अब हालात सामान्य हो चुके हैं। प्रशासन ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के तहत 15 दिन के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए थे। इसकी अवधि पूरी होने जा रही है। ऐसे में जल्द ही प्रतिबंध हटाया जा सकता है। यह आदेश 16 अगस्त को जारी किया गया था, जिसकी अवधि अब पूरी होने जा रही है।

कलेक्टर मनीषसिंह के निर्देश पर महू एसडीएम अक्षत जैन ने पिकनिक स्थलों, निस्तार घाटों और नदियों पर जाने का प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया था। आदेश के तहत चोरल, चोरल नदी, चोरल डैम, पातालपानी, सीतलामाता फाल, मेहंदीकुंड, तिंछा फाल, कजलीगढ़, वाचू पाइंट, जानापाव कुटी, कालाकुंड आदि स्थानों पर आम जनता की आवाजाही पूरी तरह बंद की गई थी। यह आदेश महू क्षेत्र के थाना महू, किशनगंज, बडगोंदा, मानपुर, सिमरोल की सीमा में लागू किया गया था।

इसी तरह सभी तालाबों एवं नदियों में मछुआरों का आवागमन, मछली पालन एवं उन्हें पकड़ने संबंधी गतिविधियां भी 15 दिन के लिए पूरी तरह प्रतिबंधित की गई थीं। सभी निस्तार घाटों पर संचालित होने वाली गतिविधियां भी पूरी तरह बंद की गई थी। आदेश का उल्लंघन करने पर दंड प्रक्रिया संहिता की धारा-188 के तहत कार्रवाई का प्रविधान है।

उल्लेखनीय है कि प्रशासन ने यह कदम मौसम विज्ञान विभाग की लगातार भारी बारिश की चेतावनी के बाद उठाया था। तब मौसम विभाग के अधिकारियों ने आपत्ति भी ली थी कि हमारी ओर से 15 दिन लगातार वर्षा का पूर्वानुमान नहीं किया गया था। ऐसे में हमारे पूर्वानुमान को इस तरह प्रस्तुत करके प्रतिबंध क्यों लगाया गया। इस पर प्रशासनिक अधिकारियों ने यह प्रतिबंध ऐहतियात के तौर पर लगाना बताया, ताकि पिकनिक स्थलों, पहाड़ों, नदियों और तालाबों पर जाने वालों के साथ कोई हादसा न हो। लगातार वर्षा से नदियों के पत्थरों पर काई जमने से वे फिसलन भरे हो जाते हैं। इस कारण हादसे हो सकते हैं।

माइक्रोसाफ्ट ने दिया दृष्टिबाधित छात्र यश को 47 लाख का पैकेज

इंदौर। इंदौर के दृष्टिबाधित छात्र यश सोनकिया को प्लेसमेंट प्रक्रिया में माइक्रोसाफ्ट कंपनी ने नौकरी के लिए 47 लाख रुपये सालाना का पैकेज आफर किया है। यश कक्षा पांचवीं में था, तब से पिता से कहता था कि मुझे साफ्टवेयर इंजीनियर बनना है। यश ने एसजीएसआइटीएस में पढ़ाई की और स्क्रीन रीडर की मदद से साफ्टवेयर इंजीनियर बनने का अपना सपना पूरा किया। यश ने दसवीं तक एमपी बोर्ड से शिक्षा प्राप्त की।

पांचवीं में जब यश साफ्टवेयर इंजीनियर बनने की बात कहता था तो दृष्टिबाधित होने से शुरुआत में तो परिवार के सदस्य उसका मन रखने के लिए बोल देते थे कि दसवीं के बाद इस पर बात करेंगे। दसवीं में 88 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले यश को जब 11वीं में विषय चयन करने की बारी आई तो गणित और विज्ञान विषय को चुना। शुरुआत में किताबें नहीं मिली। बड़ी मुश्किल से कुछ किताबों का इंतजाम हुआ। तब पता लगा कि कंप्यूटर पर शिक्षा प्राप्त करने के लिए स्क्रीन रीडर साफ्टवेयर मदद कर सकता है। इसके बाद जेईई मेन के आधार पर 2017 में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ इंफोंरमेशन टेक्नोलाजी (आइआइआइटी) में प्रवेश हो गया, लेकिन इंदौर में रहकर पढ़ाई करना थी, इसलिए श्री गोविंदराम सेकसरिया प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (एसजीएसआइटीएस) को चुना।

विद्यार्थी के ज्ञान को देखती हैं कुछ कंपनियां - यश संस्थान का पहला विद्यार्थी था जिसे प्रैक्टिकल करवाने और परीक्षा लेने में कई तरह की परेशानी का सामना करना पड़ा। लिखित परीक्षा की जगह यश को कंप्यूटर आधारित परीक्षा ली गई। हाल ही में प्लेसमेंट प्रक्रिया में यश को माइक्रोसाफ्ट कंपनी ने 47 लाख रुपये सालाना के पैकेज पर नौकरी का आफर दिया है। यश ने बताया कि दुनिया में कुछ ही ऐसी कंपनियां हैं जहां विद्यार्थी के सिर्फ ज्ञान को देखा जाता है। माइक्रोसाफ्ट ने भी आनलाइन साक्षात्कार लिया और आनलाइन कोडिंग करने के लिए कहा। स्क्रीन रीडर की मदद से उन्होंने जो करने के लिए कहा मैंने समय पर पूर्ण किया।

इंदौर का पहला छात्र - यश के पिता यशपाल सोनकिया जिला न्यायालय में कैंटीन चलाते हैं और मां योगिता सोनकिया गृहणी हैं। उन्होंने बताया कि हमें खुद आश्चर्य होता है कि कक्षा पांचवीं में जो इच्छा यश ने बताई थी, उसे पूरा करने में वह सफल रहा। इस बीच कई परेशानियां भी आईं, लेकिन यश ने हर मोड़ पर हिम्मत नहीं हारी और कंप्यूटर साइंस की शिक्षा लेने के लिए घंटों कंप्यूटर पर बैठकर प्रैक्टिस करता रहा। एसजीएसआइटीएस के निदेशक प्रो. राकेश सक्सेना का कहना है कि यश इंदौर का पहला विद्यार्थी है जिसने कंप्यूटर इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूर्ण की और माइक्रोसाफ्ट जैसी नामी कंपनी में नौकरी भी प्राप्त की। निदेशक का कहना है कि संभवतः प्रदेश में भी यश पहला विद्यार्थी है जिसने कंप्यूटर साइंस में शिक्षा प्राप्त कर मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी पाई है।

किसानों के लिए नए ट्रांसफार्मर मात्र दो घंटे में उपलब्ध हो जाएंगे

इंदौर। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देशानुसार बिजली कंपनी किसानों की हरसंभव मदद कर रही है। एक माह बाद प्रारंभ होने वाले रबी सीजन की भी बिजली कंपनी ने प्रभावी तैयारी कर मालवा-निमाड़ के सभी 15 जिलों की सिंचाई व्यवस्था के लिए 12 हजार ट्रांसफार्मरों का अग्रिम स्टाक रखा है। पात्रतानुसार मात्र दो घंटे में ट्रांसफार्मर जारी कर दिए जाएंगे जाएंगे, ताकि रबी का सिंचाई का कार्य प्रभावित न हो।

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक अमित तोमर ने बताया कि क्षेत्र के सभी जिलों में ट्रांसफार्मरों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। ट्रांसफार्मर में खराबी आने की सूचना के बाद जल्दी ही इन्हें बदला जाएगा। प्रबंध निदेशक तोमर ने बताया कि कंपनी क्षेत्र में 13 लाख से ज्यादा किसानों को रबी की सीजन में सिंचाई के लिए गुणवत्तापूर्ण बिजली वितरित की जाएगी। इस बार सिर्फ रबी सिंचाई

के लिए लोड ही सवा तीन हजार मैगावाट के पार पहुंचने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि ट्रांसफार्मर में किसी कारणवश खराबी आने पर कम से कम समय में पात्रतानुसार बदला जाएगा। इसके लिए कंपनी स्तर पर कुल 12 हजार ट्रांसफार्मरों का स्टाक है। ये ट्रांसफार्मर 25 केवी, 63 केवी, 100 केवी के है।

अमित तोमर ने बताया कि कंपनी के स्थाई ट्रांसफार्मर डिपो इंदौर, उज्जैन, रतलाम, मंदसौर, धार, बड़वाह में कुल 8 हजार ट्रांसफार्मरों का स्टाक रहेगा। इसी तरह रबी की सीजन के लिए बने अस्थाई डिपो देवास, आगर, शाजापुर, मनासा, बुरहानपुर, खंडवा, बड़वानी, झाबुआ, आलीराजपुर में आवश्यकतानुसार 300 से 600 ट्रांसफार्मरों का स्टाक हर वक्त उपलब्ध रहेगा।

जल्दी ही पहुंच जाएगा- प्रबंध निदेशक ने बताया कि हर जिले में ट्रांसफार्मरों का पर्याप्त स्टाक होने से किसानों की मांग पर ट्रांसफार्मर दो घंटे में मौके पर पहुंचाया जा सकेगा। इससे सिंचाई कार्य प्रभावित नहीं होगा। रबी के लिए प्रत्येक जिले में ट्रांसफार्मरों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।

'पर्यटन स्थलों को महिलाओं की सुविधा के अनुरूप करें विकसित'

इन्दौर। महिला पर्यटकों को प्रदेश और इंदौर में सुरक्षित पर्यटन की सौगात देने के लिए जरूरी है कि ऐसे पर्यटक स्थलों पर आवागमन के साधन सुलभ करवाए जाएं जहां वर्तमान में महिलाओं का जाना सहज नहीं है। इन स्थानों को और भी विकसित किया जाना चाहिए। कालाकुंड, पातालपानी, गुलावट, उज्जैनी, चोरल, गिदिया खो आदि ऐसे कई पर्यटक स्थल इंदौर के आसपास हैं जहां अभी भी महिला पर्यटकों का जाना मुश्किल है। इन स्थानों पर टैक्सी और ई-व्हीकल चलाए जाने चाहिए और उनमें महिला ड्राइवर हों ताकि महिला पर्यटक सुरक्षित महसूस करें और रोजगार के अवसर भी बढ़ें।

इस तरह के कई सुझाव शुक्रवार को होटल अमर विलास में आयोजित 'महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना और उन्मुखीकरण' कार्यशाला में दिए गए। महिला पर्यटन को बढ़ावा देने और महिला पर्यटकों को सुरक्षित पर्यटन का मौका देने के लिए मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग ने एक दिनी कार्यशाला आयोजित की थी।

पहले से चल रहे प्रकरणों में भी महिला का शपथ पत्र अनिवार्य किया जाए

इन्दौर। संस्था पौरुष ने गुजारा भत्ता के नाम पर न्यायालयों में झूठे शपथ पत्र प्रस्तुत करने वालों के खिलाफ मुहिम शुरू की है। संस्था अध्यक्ष अशोक दशोर ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में नेहा बनाम रजनीश केस में आदेश दिया है कि गुजारा भत्ता प्राप्त करने के लिए पत्नी को शपथ पत्र पर अपनी एवं अपने परिवार की संपूर्ण आय, चल अचल संपत्ति, आभूषण, नौकरी-व्यवसाय आदि की जानकारी देना होगी। यह जानकारी गलत पाए जाने पर सीआरपीसी की धारा 340 और आइपीसी की धारा 195 के तहत सात वर्ष के कठोर कारावास की सजा का प्रविधान भी है। देशभर में हजारों महिलाओं ने न्यायालय में गलत जानकारी देकर गुजारा भत्ता प्राप्त किया है।

संस्था ने इसके विरुद्ध 14 पेज का ज्ञापन हाई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट, लीगल कमीशन, केंद्रीय कानून मंत्री, राष्ट्रपति एवं लोकसभा, राज्यसभा अध्यक्षो को प्रेषित किया है। इसमें मांग की गई है कि संविधान की मंशानुरुप कानून सबके लिए समान है। असत्य शपथ पत्र प्रस्तुत करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। संस्था ने यह मांग भी की है कि जो प्रकरण वर्तमान में लंबित हैं उनमें भी इस तरह के शपथ पत्र अनिवार्य किए जाएं।

वरिष्ठ साहित्यकार वासुदेव मोही की याद में कार्यक्रम आयोजित- सिंधु शोधपीठ देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी कंप्यूटर साइंस सेंटर में वरिष्ठ साहित्यकार वासुदेव मोही की प्रथम पुण्यतिथि पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। शुरुआत भगवान झूलेलाल के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुई।मनीष देवनानी ने सिंधु शोधपीठ द्वारा संचालित सिंधी कोर्स की जानकारी दी। साहित्यकार विनीता मोटलानी ने मोही के साहित्यिक जीवन पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ कवियित्री डा. नादिया मसंद ने मोही के अनछुए पहलुओं की जानकारी देते हुए उनके द्वारा रचित कविता सुनाई। साहित्यकारा डा. चंद्रा सायता ने लिखित शायरी गाकर प्रस्तुत की। संचालन निर्मला राजानी ने किया।

सरकारी जमीन पर चल रहे उद्योग से नहीं वसूल सकते संपत्तिकर

इंदौर। शासन से लीज पर जमीन लेकर संचालित हो रहे उद्योगों से नगर निगम संपत्तिकर नहीं वसूल सकता। एमएसएमई विभाग ने यह साफ कर दिया है। इसका सीधा लाभ इंदौर के करीब दो हजार छोटे-मझोले उद्योगों को मिलता दिख रहा है। सांवेर रोड, पोलोग्राउंड, किला मैदान और भागीरथपुरा क्षेत्र में वर्षों से इन उद्योगों से नगर निगम संपत्तिकर की वसूली कर रहा है। वसूली का ताजा आंकड़ा 12 करोड़ रुपये सालाना है। इंदौर के उद्योगों ने निगम के वसूली नोटिस निरस्त करने के साथ ही बीते वर्षों में वसूले गए कर के रिफंड की मांग भी रख दी है।

मप्र लघु उद्योग संघ के सचिव अनिलकुमार चतुर्वेदी ने प्रदेश शासन के एमएसएमई मंत्रालय से सरकारी औद्योगिक क्षेत्रों में स्थित उद्योगों पर लागू होने वाले नगर निगम के संपत्ति कर के प्रविधान पर जानकारी मांगी थी। इस पर मंत्रालय की ओर से लिखित में जानकारी दी गई है कि मप्र नगर निगम अधिनियम की धारा 136 में संपत्तिकर से छूट के दायरे में केंद्र सरकार, राज्य सरकार और निगम की संपत्ति को शामिल किया गया है। मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि प्रदेश के तमाम औद्योगिक क्षेत्रों में उद्योगों को शासन ने 30 वर्षों की लीज पर जमीन

दी है। उस जमीन पर स्वामित्व शासन का है। ऐसे में इस भूमि पर संपत्तिकर से छूट का प्रविधान लागू होता है।

नगर निगम सामान्य स्वच्छता कर, जलकर, प्रकाश कर और अग्निकर वसूल सकता है। एमएसएमई विभाग द्वारा शासन के नियम स्पष्ट करने के बाद लघु उद्योग भारती ने नगरीय विकास और आवास विभाग के प्रमुख सचिव मनीषसिंह को पत्र लिखकर मांग की है कि शासन की नीति स्पष्ट होने के बाद भी प्रदेश के तमाम नगरीय निकाय ऐसे उद्योगों से संपत्तिकर वसूल रहे हैं। इंदौर समेत तमाम शहरों में कई उद्योगों को तो वसूली के नोटिस भी दिए गए हैं। ऐसे में विभाग तुरंत वसूली पर रोक लगाए। नोटिस रद कर पूर्व के वर्षों में वसूला कर वापस भी दिलवाएं।

जरूरत हो तो विभाग चर्चा करें- 23 अगस्त को ही एमएसएमई विभाग के प्रमुख सचिव मनु श्रीवास्तव ने लिखा है कि औद्योगिक क्षेत्रों की भूमि राज्य शासन की है अंतः नगर निगम अधिनियम की धारा 136 में उक्त भूमि पर संपत्तिकर की छूट है। जलकर व सामान्य स्वच्छकर देय है। इस बारे में सभी नगर निगमों को आवश्यक निर्देश जारी करने के लिए कहा है। प्रमुख सचिव ने लिखा है कि आवश्यकता हो तो दोनों विभाग इन बिंदुओं पर चर्चा भी कर सकते हैं।

प्रशासन, परिवहन और यातायात विभाग का उड़दस्ता करेगा व्यावसायिक वाहनों की प्रदूषण जांच

इंदौर। वायु प्रदूषण रोकने के लिए जिला प्रशासन ने अब निगरानी, जांच और कार्रवाई तेज करने की तैयारी की है। व्यावसायिक वाहनों में प्रदूषण की जांच के लिए प्रशासन, परिवहन और यातायात पुलिस का उड़नदस्ता गठित किया गया है। इसमें तहसीलदार, परिवहन विभाग और यातायात पुलिस के अधिकारी शामिल रहेंगे। यह उड़नदस्ता लोडिंग एवं व्यावसायिक वाहनों में पाल्यूशन अंडर कंट्रोल (पीयूसी) सर्टिफिकेट की जांच करेगा।

जांच दल द्वारा पेट्रोल पंप एवं अन्य स्थानों पर जांच की जाएगी और जिन गाड़ियों पर पीयूसी सर्टिफिकेट नहीं पाया गया, उनका फिटनेस सर्टिफिकेट तत्काल निरस्त किया जाएगा। सोमवार को समय सीमा के प्रकरणों की बैठक में भी कलेक्टर मनीष सिंह ने इस संबंध में निर्देश दिए। कलेक्टर ने अपर कलेक्टर पवन जैन को भी धारा-144 के तहत आदेश जारी करने के निर्देश दिए, जिसमें सभी व्यावसायिक गाड़ियों के पीयूसी सर्टिफिकेट जिले के पेट्रोल पंपों पर चेक किए जाएंगे। यदि सात दिवस के भीतर सभी व्यावसायिक गाड़ियों द्वारा पीयूसी सर्टिफिकेट प्राप्त नहीं किया गया तो उन पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर के निर्देश के बाद अपर कलेक्टर जैन और अपर कलेक्टर अभय बेड़ेकर ने शहर के पेट्रोल पंप संचालकों की बैठक भी ली। सभी को स्पष्ट किया गया कि वे अपने पेट्रोल पंप पर पीयूसी केंद्र जरूर स्थापित करें।

'भूखंड का विकास कर बेचने पर नहीं रहेगी जीएसटी की देयता'

इन्दौर। जीएसटी के ताजा जारी नोटिफिकेशन व सर्कुलर के विश्लेषण के लिए टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन एवं सीए शाखा इंदौर द्वारा संयुक्त रूप से कार्यशाला आयोजित की गई। शुक्रवार को कार्यशाला के मुख्य वक्ता सीए सुनील जी.खंडेलवाल थे। खंडेलवाल ने कर पेशेवरों को बताया कि सरकार ने सर्कुलर में जीएसटी में चल रहे विभिन्न विवादित विषयों पर स्पष्टीकरण दिया है। मुख्य रूप से भूखंड का विकास कर इसे बेचने पर कोई कर देयता नहीं होगी। इस स्पष्टीकरण से रियल इस्टेट व्यवसायियों को राहत मिली है।

कार्यशाला में टोल शुल्क, आइसक्रीम पार्लर पर कर की दर, शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा विद्यार्थियों से सर्टिफिकेट या फार्म जारी करने पर छूट जैसे विषयों पर दिए गए स्पष्टीकरण पर चर्चा व विश्लेषण किया गया। 17 अगस्त को सरकार द्वारा विभागीय अधिकारियों को गिरफ्तारी, समन आदि के संबंध में जारी किए दिशा निर्देशों की भी विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि कई बार तीन-चार व्यक्तियों के लिए एक ही अरेस्ट मेमो जारी कर दिया जाता है, जो गलत है। अरेस्ट मेमो सभी के लिए अलग होना चाहिए। जिसे अरेस्ट किया जा रहा उसके स्वास्थ्य का ध्यान रखना आवश्यक है। महिला की तलाशी या अरेस्ट महिला द्वारा ही की जा सकती है।

बार-बार मांगने पर भी जानकारी नहीं देने पर ही जारी करें समन - खंडेलवाल ने कहा कि कुछ विशिष्ट दशाओं में करदाता द्वारा बार बार मांगने पर भी जानकारी नहीं देने पर ही समन जारी करना चाहिए। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर या अन्य उच्च अधिकारियों को केवल तभी समन जारी किए जाने चाहिए जब वे व्यक्तिगत रूप से उस व्यवहार में संलग्न हों। कार्यक्रम का संचालन सीए जे पी सराफ ने किया। कार्यक्रम में सीए अजय सामरिया, सीए स्वप्निल जैन सहित बड़ी संख्या में कर सलाहकार, सीए व अधिवक्ता उपस्थित थे।

शहर में फिट इंदौर अभियान आरंभ

इंदौर। इंदौर के योग और मैराथन प्रशिक्षक हर्ष जोशी द्वारा खेल दिवस पर शहर में फिट इंदौर अभियान प्रारंभ किया गया। सांसद शंकर लालवानी ने अपने कार्यालय पर अभियान का शुभारंभ किया। जोशी ने बताया कि शहर के 85 वार्डों की गली-मोहल्लों में जाकर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाएगा। विभिन्न उद्यानों में योग एवं फिटनेस का प्रशिक्षण दिया जाएगा। अभियान के शुभारंभ अवसर पर समूह के सदस्य संदीप नेगी, डा. विनीता कोठारी, दिनेश जोशी, हेमंत परमार और रोहित त्रिपाठी आदि मौजूद थे। समूह के सदस्यों द्वारा कोरोना महामारी के बाद अस्पताल और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को योग अभ्यास कराया गया था।

कालेज संचालकों ने छात्रवृत्ति के नए नियमों पर जताई आपत्ति

इन्दौर। इंदौर में एमबीए पाठ्यक्रम संचालित करने वाले कालेजों की शुक्रवार को बैठक में छात्रवृत्ति का मुद्दा उठा। कई कालेजों के संचालकों ने बीते दो साल से विद्यार्थियों को बराबर छात्रवृत्ति नहीं मिलना बताया है। उनका कहना है कि एसटी-एससी के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति में कटौती की गई है। वहीं पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को सालभर से राशि आवंटित नहीं हुई है। छात्रवृत्ति में देरी होने से छात्र-छात्राओं ने फीस जमा नहीं की है। वहीं सत्र 2022-23 में छात्रवृत्ति से जुड़े नियम बदले गए हैं। पाठ्यक्रमों में दो साल से अधिक अंतर रहने पर विद्यार्थी छात्रवृत्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

कई कालेजों ने इस पर नाराजगी जताई है। इसका असर प्रवेश प्रक्रिया पर नजर आ रहा है। आरक्षित वर्ग के विद्यार्थी निजी कालेजों में प्रवेश में कम रुचि दिखा रहे हैं। अब कालेज संचालकों

ने छात्रवृत्ति नियमों में संशोधन करने की मांग उठाई है। मामले में मंगलवार को उच्च शिक्षा विभाग आयुक्त से संगठन के पदाधिकारी मिलेंगे।

जैन दिवाकर कालेज में इंदौर मैनेजमेंट कालेज एसोसिएशन की बैठक हुई। छात्रवृत्ति के अलावा कालेजों ने संबद्धता शुल्क को लेकर भी आपत्ति उठाई है। कालेज संचालकों के मुताबिक देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के दायरे में आने वाले कालेजों को 14 लाख रुपये संबद्धता शुल्क देनी पड़ती है, जो काफी अधिक है। बाकी विश्वविद्यालयों में तीन से पांच लाख के बीच शुल्क वसूला जाता है।

संगठन के पदाधिकारियों के मुताबिक बीते दिनों कई कालेजों को आल इंडिया काउंसिल फार टेक्निकल एजुकेशन से एमबीए पाठ्यक्रम संचालित करने की देरी से मान्यता मिली है। विश्वविद्यालय से संबद्धता के लिए आवेदन किया तो शुल्क के अलावा जुर्माना और 18 प्रतिशत जीएसटी वसूला गया।

भाजपा ओबीसी या आदिवासी नेता को ही मुख्यमंत्री बनाएगी-सज्जन सिंह वर्मा

इंदौर। मध्य प्रदेश की सियासत हमेशा से राजनीतिक दलों और नेताओं को चौंकाने वाली रही है। ऐसे में सरकार के गठन में निर्णायक भूमिका अदा करने वाले आदिवासी वोट बैंक को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा और कांग्रेस के बीच खींचतान चल रही है। प्रदेश की 230 सीटों वाली विधानसभा में 47 सीटें आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित हैं और पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 30 सीटों पर सीधे कब्जा कर लिया था। खैर वो बात अलग है कि 14 महीने के वनवास के बाद शिवराज सिंह चौहान की वापसी हुई थी और इसमें ज्योतिरादित्य सिंधिया ने निर्णायक भूमिका निभायी थी।

इसी बीच ज्योतिरादित्य सिंधिया के पुराने साथी रहे कांग्रेस नेता सज्जन सिंह वर्मा ने बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि ज्योतिरादित्य सिंधिया कभी मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री नहीं बन पाएंगे। उन्होंने इसके पीछे भाजपा के इतिहास का हवाला देते हुए कहा कि सत्तारूढ़ दल ओबीसी या फिर आदिवासी नेता को ही मौका देगी।

साल 2018 में कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार का गठन हुआ था। लेकिन 14 महीने बाद कांग्रेस की सरकार गिर गई और इस सरकार को भाजपा ने ज्योतिरादित्य सिंधिया की मदद से एक झटके में गिरा दिया था और फिर चुनाव गंवाने वाली भाजपा को एक बार फिर से प्रदेश की सत्ता मिल गई और शिवराज सिंह चौहान की ताजपोशी हुई। इसके अलावा ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थको को भी भाजपा में काफी मान और प्रतिष्ठा मिली।

अगले साल मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि भाजपा ज्योतिरादित्य सिंधिया को भविष्य में मध्य प्रदेश की जिम्मेदारी सौंप सकती है। हालांकि इसका कोई औपचारिक ऐलान नहीं हुआ। इसी बीच कांग्रेस नेता सज्जन सिंह वर्मा ने बड़ा दावा कर दिया कि भाजपा कभी भी ज्योतिरादित्य सिंधिया को मुख्यमंत्री नहीं बनाएगी। उन्होंने कहा कि मैं जितना भाजपा के निर्णयों को जानता हूं पार्टी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के दबाव में फैसला करती है। ऐसे में ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे नेताओं को पचा पाना भाजपा के लिए मुश्किल है। इसी वजह से पार्टी ओबीसी या फिर आदिवासी नेता को ही मुख्यमंत्री बनाएगी।

All About Pitru Paksha

History, Significance, Facts And Places

Pitru Paksha, also known as Shradh, is a lot more than just not eating Non-veg, no shopping, no celebrations, and all the negative things attached! Come, let's take you on a quick tour to help you know what shradh is all about and why it's an opportunity to express your gratitude to your ancestors who loved you dearly.

Pitru Paksha (Shradh) is a 16-day period of paying homage to your ancestors who have departed from this materialistic world, as per the Hindu calendar. The period is marked by offering prayers, food, and daan to the needy and the priests in the temple. All the rituals and prayers are performed in respect and remembrance of the ancestors who left for the heavenly abode and to wish them well wherever they are.

History Of Shradh

Do you know how the 16-days of shradh came into existence? Read till the end to know the unknown story behind the beginning of Shradh. As per ancient folklore, when Karna, Kunti's first son from Mahabharata died, he went to heaven and was offered gold and precious jewels, to which Karna asked Indra that he wish to have food and water, and not these precious jewels. Hearing that Indra replied to Karna that he only donated gold and jewels to people all his life and never offered food and water in the name of his ancestors.

To this, Karna told Indra that he didn't know about his ancestors because he was blessed by Surya deva, the lord of light and day, to his mother, and he has no clue of his ancestors. After this Karna was sent to earth for a period of 15 days so that he could perform shradh for his ancestors and donate food and water. Since then, this period of 15 days is regarded as pitru paksha.

As documented in the Garuda Purana Shradh holds major significance in the first year of death. As per the ancient scriptures, it is believed that the soul starts traveling to Yamapuri on the 14th day after death and reaches there in 17 days. They again travel for 11 months to reach the court of Yamaraj. It is said that till the time the soul reaches the court, it has no access to food, water, and clothes. The daan, tarpan, and offerings that we perform during Pitru paksha reach these souls and satisfy their hunger and thirst.

How Shradh Is Performed?

The shradh puja is performed by a male member, mostly the eldest male member of the family, or the eldest son. The shradh requires the participation of a Karta (the doer) and a pandit (the priest). The puja begins when a pandit comes home to perform a havan, after the havan, rice is offered to the departed souls, which is followed by offering food to the pandit.

The puja concludes with Dakshina and Daan to the pandit and the needy people. A part of the food that is prepared is also offered to crows, dogs, and cows. In case the date or the tithi of the deceased is not known to anyone then the Shradh ceremonies are performed on Amavasya, the last day of shradh.

What Is Pind Daan

Pind Daan is a duty that every child needs to perform for his deceased parents. Pind Daan is performed by a priest and a food ball made of rice and wheat flour is offered to the departed souls. Offering this special food is considered as Pind Daan. It is believed that after performing the Pind Daan our ancestors achieve moksha.

Interesting Facts About Shradh

If you are someone who always thought why the food prepared in Shradh was offered to specific animals then scroll down to know the story and significance behind it.

- **Crows**

It is believed that the deceased ones come in the avatar of crows on earth in search of food and water and feeding them is equivalent to feeding our ancestors. Another belief is that crows are messengers to 'pitri loka' (the land of deceased) and are associated with element one of the five elements i.e. 'air'.

- **Black Ants**

Ants are also offered the food in shradh puja. An ant is considered the element 'fire' and feeding sweet food to ants is an auspicious act and brings the blessings of our ancestors.

- **dog**

It is believed that dogs guard the doors of heaven and hell. A dog is considered as the element of 'water' and feeding a dog is an auspicious sign.

- **Cows**

Cows have already been given a significant status in the Hindu religion and feeding them during shradh is considered auspicious. A cow is associated with element 'earth' and as per common belief, feeding cows during Pitru paksha brings peace to the departed souls.

- **Brahmin**

It is believed that only after feeding the Brahmins our ancestors accept the food and water, so if you have missed this part then the puja is incomplete.

Significant Destinations Where Shradh Is Performed

- **Gaya**

Gaya, Bihar, is the most prominent destination to perform Shradh rites and ceremonies. During ancient times, it was known as Gayapuri and here the pind daan is performed with wheat flour balls.

- **Varanasi**

Varanasi is an ancient city of India which is situated in Uttar Pradesh. The city is known for many religious reasons and a few of them are shradh ceremonies and asthi visarjan ceremonies. Here the ceremonies are performed on the ghats (banks) of Holy Ganges.

- **Badrinath**

Badrinath is a holy town in the state of Uttarakhand which is also home to Lord Shiva, the destroyer. Many people visit Badrinath to perform the sacred puja and related ceremonies like Daan, Dakshina in the sacred ambiance of the place. The Alakananda river and Brahma Kapal Ghat are the 2 major places where all the shradh ceremonies are performed by priests.

- **Allahabad**

Allahabad or Prayagraj (current name) is considered a sacred place for performing Shradh because it is the place where 2 holy rivers Ganga and Yamuna meet. People visit the place on Anantha Chaturdashi to perform the puja.

- **Kurukshetra**

Kurukshetra is situated in Haryana and is regarded as a holy place in the Vedas and mythological texts. Pehowa a town situated near Kurukshetra is another significant destination where shradh is performed. The banks of river Saraswati is the place where shradh is performed. It is believed that an ancient king, King Prithu stayed on the banks of river Saraswati and offered water to the visitors after his father's death. The spot today is known as prithudaka or Prithu's pool.

- **Pushkar**

No other place can be more auspicious than this, as Lord Rama performed the pind daan in the memory of his ancestors here in Pushkar. Pushkar is situated in Rajasthan and receives great footfall during Pitru paksha.

- **Jagannath Puri**

Home to Lord Jagannath, the place is flocked by people from across the country during shradh. Jagannath is also one of the 4 dhams and it is believed that the deceased souls get free from the vicious circle of life and death if their shradh is performed here.

- **Mathura**

Mathura is another holy destination that is considered auspicious to perform shradh ceremonies. People visit Mathura to perform pind daan and it is a common belief that performing pind daan here has the maximum benefit

Nitish Kumar meets leaders of all opposition parties.

Janata Dal (United) chief and Bihar chief minister Nitish Kumar are meeting opposition leaders of all hues in his efforts to bring about unity among all non-BJP parties, with an eye on the 2024 Lok Sabha elections.

On August 31, Telangana Rashtra Samiti chief and Telangana CM K. Chandrashekhar Rao met Nitish Kumar in Patna to discuss ways and means to forge opposition unity. There were media reports that the talks failed to make headway after KCR insisted on keeping the Congress out of any front, while Nitish Kumar insisted that there cannot be opposition unity without the inclusion of Congress and Left parties.

At the joint press conference in Patna, their body language was easily discernible. Nitish Kumar stood up to leave when reporters asked questions about the probable PM candidate. KCR persuaded Nitish Kumar several times saying 'Baithiye', while Nitish refused to take the questions, and persuaded KCR to leave, by telling him 'Chaliye'.

On Monday, Nitish Kumar met RJD supremo Lalu Prasad Yadav in Patna to seek his advice, before emplaning for New Delhi. He called on the ailing RJD leader, who is staying in the official residence of his wife Rabri Devi. Reports said, Lalu Prasad, explained to Nitish Kumar the nitty-gritties of how to tackle obstacles in the path of opposition unity. Lalu's son and deputy CM Tejashwi Yadav were present at the meeting. Asked by reporters about the talks, Nitish Kumar evaded and said, "Lalu ji is like my elder brother. I had come to seek his blessings. Both of us have the same thoughts."

What Nitish Kumar declined to reveal, was spelt out by his deputy CM Tejashwi Yadav. He said, "Nitish Kumar has been assigned to mobilize all opposition parties. If all opposition parties unite, the 2024 elections will be tough for BJP."

In Delhi, Nitish Kumar met Congress leader Rahul Gandhi for one hour at the latter's residence. Later, speaking to reporters, Nitish Kumar emphatically said, "I have no intention of pitching myself as the prime ministerial candidate. BJP is trying to weaken regional parties and my effort is to unite opposition parties before the general elections."

Asked by a reporter whether he would agree to become the PM candidate if all the parties agree on his name, Nitish Kumar was non-committal. He said, "I have not thought about it. I only think about myself". This remark has kept the field open for different interpretations.

Nitish Kumar on Monday also met Janata Dal (Secular) chief H.D.Kumaraswamy and discussed efforts for opposition unity. It may be recalled that Kumaraswamy, after the fall of his government in Karnataka, had broken his alliance with Congress in the state.

On Tuesday, Nitish Kumar met CPI(M) general secretary Sitaram Yechury and CPI leader D. Raja. Asked by reporters about the prime ministerial candidate, Nitish Kumar again said, "I am not even the claimant (for PM candidature). I don't even desire it….Our entire focus is to unite all regional parties, the Left parties and the Congress. It can be a big development if all these parties come together."

Nitish Kumar's meetings with opposition leaders have raised some hopes among the Left leaders. On Monday, Yechury said, "Nitish Kumar has admitted that he made a mistake by aligning with the BJP. Opposition parties will surely welcome him back. As far as the question of PM candidature is concerned, Nitish Kumar has all the qualities to become the PM, but this is not the time to discuss the such an issue."

Nitish Kumar, on Sunday, had publicly admitted in his party's national executive that he made a big mistake in aligning with BJP in 2017. "I will not make this mistake again". The same day, former Bihar deputy CM and BJP leader Sushil Modi replied, by saying "Nitish Kumar has admitted his mistakes several times in the past. In 2013 too, he admitted his mistake in aligning with BJP. In 2017, he had publicly vowed never to align with RJD again, and now he is saying again, that he made a mistake by aligning with BJP. That is why Lalu Yadav gave him the title 'Palturam' ".

On Tuesday, Nitish Kumar called on Delhi CM and Aam Aadmi Party chief Arvind Kejriwal. He will also meet Nationalist Congress Party supremo Sharad Pawar, Samajwadi Party chief Akhilesh Yadav and INLD party chief Om Prakash Chautala to discuss ways and means for achieving opposition unity.

Overall, I find, that there is not a single opposition leader who is staking a claim to the post of PM. Almost all of them have been saying in public that they have no such intention. Nitish Kumar, Rahul Gandhi, Arvind Kejriwal, KCR and Mamata Banerjee have also been saying that they have no intention of becoming PM. But the ground reality is that the fight is over the PM's chair. All the discussions become futile when the issue of candidature for PM crops up. In the past, there had been several efforts to unite the opposition against Narendra Modi.

As far as Nitish Kumar is concerned, several top leaders of both RJD and JD(U) have disclosed that Lalu Prasad agreed to support Nitish for the post of Bihar CM, only on the condition that the latter will remain chief minister for now, and before the 2024 general elections, Nitish Kumar should involve himself in national politics, and leave the chief minister's throne for Tejashwi Yadav. This is the reason, why Nitish Kumar is desperately trying to persuade opposition parties of all hues to form an anti-Modi front. Nitish has already started preparations for the 2024 elections

Teachers' Day : Everything you need to know about this day

It is an understatement that a teacher plays a pivotal role in a student's life. Along with boosting academics, teachers change the life of a student, both inside and outside the classrooms. In the midst of breakdowns when you score less marks, or dealing with personal problems, teachers initiate that extra push to help the students in coming out of the shackles and excel in every endeavour. Teachers are able to communicate with every aspect of their students' lives, teaching them the important life lessons that will help them succeed beyond classrooms and term papers.

Talking about teachers day, are we really aware as to why we celebrate this day?

September 5, observed as the Teachers' Day is dedicated to our teachers, who have guided us and continue to inspire us in being better and learned human beings. Not just that, this day observes the birth anniversary of Dr Sarvepalli Radhakrishnan, an Indian philosopher and the first Vice President of India and the second President of India. It was started in 1962, and since then tradition continues.

A scholar, philosopher, politician, and a Bharat Ratna recipient, Dr Sarvepalli Radhakrishnan dedicated his entire life towards education and shaping up the youth of the country. He was born in a middle class family in Tirutani. He studied philosophy at Christian College, Madras and went on to teach at various colleges from University of Mysore to University of Calcutta. He was also appointed as the Vice-Chancellor of Andhra University, Delhi University as well as Banaras Hindu University. With so many accolades in his lifetime, this day is indeed dedicated to India's most revered academician of all times.

"Instead of celebrating my birthday, it would be my proud privilege if September 5 is observed as Teachers' Day," Dr Sarvepalli Radhakrishnan had said.

Teachers Day holds an incredible significance for teachers and educators, and is set apart with merrymaking and different programmes planned for teachers in schools, colleges and universities. To mark this day, students perform skits, and even perform for their teachers. The goal is to recall and remind the vital job teachers and educators play in shaping student's life and careers.

The Significance of Anant Chaturdashi

Anant Chaturthi is dedicated to Lord Vishnu and is observed by Hindus and Jains worldwide. On this day, Lord Vishnu is worshipped in his Anant (Infinite) form. People make a commitment to the Lord and observe the Anant Vrat to get release from sorrow and suffering.

The word 'Anant' means endless and devotees believe that Lord Narayana will clear all the difficulties in one's life, if the Anant Vrata is observed with utmost devotion. Some people observe this Vrata continuously for fourteen years. The Anant Shayna form of Lord Vishnu is worshipped today. Vishnu's reclining posture represents the state of inactivity and is the form of Narayana before the evolution of the worlds and the creation of man.

The main ritual on the day is the tying of the sacred thread called Anant Daram. This is actually a cotton band of fourteen threads and in some places the band consists of fourteen knots. Women tie the Anant Daram on their left hand and men on their right..

According to the legend, Sushila was married to sage Kaudinya and on the way home after the ceremony, they halted near a river at nightfall. Sushila saw many women worshipping a god there and asked who it was they were worshipping. The women told her about the Anant fast and worship of lord Anant. Sushila decided to observe this fast and returned to sage Kaudinya after tying the thread of fourteen knots on her arm.

When her husband asked her about the thread and Sushila told him the story, Kaudinya ripped the thread from her arm and threw it in fire. Having dishonoured Lord Anant, sage Kaundiya went through endless miseries and soon became a pauper. One day, when Sushila reminded him of the Anant thread, he regretted his rash behaviour and went in search of that thread in the forest. Kaundiya searched in vain and was about to take his own life, when the Lord Anant appeared before him. The Lord advised him to observe the fourteen-year vow to regain his wealth. Kaundilya promised to observe the fast with sincerity for fourteen consecutive Anant Chaturdashis, giving birth to the belief.

Anant Chaturdashi is also the tenth and last day of Ganeshutsav, when we bid a grand farewell to Ganesha, immersing him in nearby river, lake or seafront with great fanfare and devotion.

This day reminds us that just as Lord Vishnu rests calmly on a snake bed, one should remain undisturbed by happiness and sorrow and remain steady in both. Only a person who remains in equilibrium realizes his true self. Ganesha represents the body consciousness which comes as a temple for the soul. The body has to finally dissolve in the Ocean of Paramatma and hence Ganesha is submerged in water.

इंदौर में 9 से 11 जनवरी 2023 को होगी ग्लोबल इंवेस्टर समिट-मुख्यमंत्री श्री चौहान

इन्दौर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण के लिए विकसित रोडमेप में निर्धारित सभी गतिविधियों का क्रियान्वयन समय-सीमा निर्धारित कर सुनिश्चित करें। प्रदेश में औद्योगिक क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए 9 से 11 जनवरी 2023 को इंदौर में ग्लोबल इंवेस्टर समिट होगी। प्रदेश में निवेश को आकर्षित करने के लिए विश्व के विभिन्न देशों में पदस्थ भारत के राजदूतों से सम्पर्क कर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं से विभिन्न देशों के निवेशकों को अवगत कराया जाए। साथ ही प्रदेश से विभिन्न देशों में भेजी जा सकने वाली सामग्री को भी प्रोत्साहित किया जाए। केन्द्र सरकार द्वारा भी विदेशों में प्रदेश की गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं। इसके लिए विदेश मंत्रालय का सहयोग भी लिया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ?मंत्रालय में औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग की समीक्षा कर रहे थे। मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, प्रमुख सचिव श्री संजय शुक्ला तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जो सामग्री मध्यप्रदेश में उत्पादित हो रही है, उसकी प्रोसेसिंग

प्रदेश में हो, यह सुनिश्चित करने के लिए प्राथमिकता से कार्यवाही की जाए। कृषि, उद्यानिकी उत्पादों और खनिज उत्पादों की प्रोसेसिंग की यूनिट लगाने और आवश्यक श्रेष्ठम प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाए। साथ ही आयात प्रतिस्थापन में देश, विदेश के साथ अन्य प्रदेश से आ रही सामग्री की एसेम्बलिंग के लिए भी आवश्यक व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वे प्रदेश में रक्षा उपकरणों के उद्योग की स्थापना के लिए केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह से चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि औद्योगिक इकाइयों से संबंधित जो गतिविधियाँ लोक सेवाओं के प्रदाय की गारंटी अधिनियम में शामिल हैं, उनका क्रियान्वयन समय-सीमा में सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में प्रदेश को प्रमुख खाद्य तेल उत्पादक बनाने की कार्य-योजना, भोपाल और इंदौर में नए आईटी पार्क के विकास, फार्मा स्यूटिकल्स क्षेत्र के निर्यात पर ध्यान केंद्रित करने के लिए चम्बल एक्सप्रेस-वे तथा नर्मदा एक्सप्रेस-वे की निकटता वाले क्षेत्रों की औद्योगिक क्षमता का आकलन कर उन क्षेत्रों में प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने पर विमर्श हुआ। साथ ही खाद्य प्र-संस्करण, कपड़ा, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक, परिधान और हॉर्डवेयर निर्माण जैसे श्रम सघन क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहित करने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई।

बताया गया कि भोपाल जिले के बैरसिया, सीहोर जिले के आष्टा और छिलेला, धार जिले का तिलदारा, जिला नरसिंहपुर, सीहोर जिले के बड़ियाखेड़ी और रायसेन के बगरोदा फेस-2 में नये औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के लिए कार्य शुरू किए जाएंगे। बैठक में मेडिकल डिवाइस पार्क उज्जैन, आईटी पार्क-3 इंदौर, देवास में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट और 'एक जिला-एक उत्पाद' बायर-सेलर मीट के संबंध में भी चर्चा हुई।

श्री पटेल ने किसान को हो रही परेशानी से कराया अवगत

भोपाल। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर से किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने नई दिल्ली में मुलाकात की। उन्होंने श्री तोमर को प्रदेश में लहसुन-प्याज की गिरती कीमतों से किसानों को हो रहे आर्थिक नुकसान और अन्य परेशानियों से अवगत कराया।

केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर ने केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा लहसुन-प्याज जैसी फसलों के लिये मिश्रित योजना बना कर क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अधिक उत्पादन होने पर उपज को अधिक समय तक सुरक्षित रखने के लिये कोल्ड-स्टोरेज की सुविधाएँ मुहैया कराई जानी चाहिये। साथ ही फ्रीजर की सुविधा होने पर 20 से 25 क्विंटल की उपज को सुरक्षित रखने में सहायता मिलेगी और किसानों को आर्थिक हानि से बचाया जा सकेगा। केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री तोमर ने कृषि मंत्री श्री पटेल को आश्वस्त किया कि किसानों के हित में सभी आवश्यक कदम उठाये जायेंगे। मंत्री श्री पटेल के साथ हरदा-बैतूल संसदीय क्षेत्र के लोकसभा सदस्य श्री दुर्गादास उइके भी मौजूद थे।

यूपी पुलिस कॉन्सटेबल भर्ती का इंतजार हुआ खत्म, 26210 पदों पर होगी नियुक्ति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस के लिए भारी मात्रा में छात्र लम्बे समय से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन अब जल्द ही उन छात्रों को यूपी पुलिस में भर्ती होने का सुनहरा मौका मिलने जा रहा है। ऐसे में 12वीं पास छात्रों के पास वर्दी पहनने के सपने को साकार करने के लिए यह गोल्डन चांस है।

यूपी पुलिस कान्सटेबल भर्ती प्रक्रिया लम्बे समय से चली आ रही है। पहले अगस्त में इस भर्ती की संभावना जताई जा रही थी लेकिन अभी तक इस भर्ती को लेकर नोटिफिकेशन नहीं आया है। हालांकि, सितम्बर में इसका नोटिफिकेशन जारी होने की संभावना जताई जा रही है। इस नोटिफिकेशन में छात्रों को भर्ती को लेकर जानकारी मिल जाएगी। यूपी पुलिस बोर्ड के मुताबिक इस भर्ती में लगभग 20 लाख अभ्यर्थियों के भाग लेने की संभावना जताई जा रही है। यूपी पुलिस कान्सटेबल भर्ती के लिए एक शार्ट नोटिस जारी कर दिया गया है। यह भर्ती 26210 पदों पर होगी।

गांधी परिवार के साथ पहले भी खड़े थे और आज भी हैं–हुड्डा

नई दिल्ली। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने गुलाम नबी आजाद से उनकी मुलाकात को लेकर कुमारी सैलजा द्वारा आपत्ति जताए जाने के बाद कहा कि वह गांधी परिवार के साथ पहले भी खड़े थे और आज भी खड़े हैं। उन्होंने सैलजा पर कोई सीधी टिप्पणी नहीं की, हालांकि तंज कसते हुए यह कहा कि कई बार लोग हताशा में आकर कुछ बोल देते हैं। आजाद से हुड्डा के मुलाकात करने पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कांग्रेस की वरिष्ठ नेता कुमारी सैलजा ने कहा है कि इस कदम ने पार्टी के आम कार्यकर्ताओं को भ्रमित तथा निराश किया है। ऐसी खबर है कि कांग्रेस कार्यकारी समिति (सीडब्ल्यूसी) की सदस्य और पार्टी की हरियाणा इकाई की पूर्व अध्यक्ष सैलजा ने पार्टी के आलाकमान के समक्ष हुड्डा के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी है और उनके खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी करने की मांग की है।

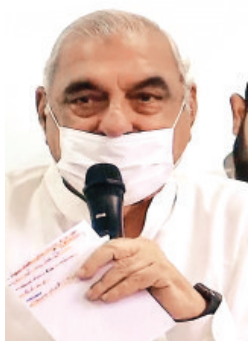

हुड्डा ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''आजाद साहब का जहां तक सवाल है, हम इतने साल एक ही परिवार में रहे, एक ही पार्टी में रहे। हमने कुछ मांग रखी थी। कांग्रेस अध्यक्ष ने वो मांग मान ली। पार्टी में चुनाव हो रहे हैं। उसके बावजूद उन्होंने पार्टी छोड़ने का फैसला किया। हमने तो उनसे कहा कि आपने पार्टी क्यों छोड़ दी। कोई कटुता की बात नहीं है।'' सैलजा के बयान पर उन्होंने कहा, '' कौन क्या-क्या कह रहा है,मैं कुछ नहीं कह सकता...कई बार लोग फ्रस्ट्रेशन (हताश होकर) में कुछ कह देते हैं।''

भारत और इजराइल दीर्घकालीन सहयोगी-कृषि मंत्री श्री पटेल

भोपाल। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने बताया कि इजराइल हमारा दीर्घकालीन सहयोगी रहा है। मंत्री श्री पटेल ने नई दिल्ली के इजराइल दूतावास में इज़राइली राजदूत श्री नाओर गिलोन और प्रतिनिधियों से मध्यप्रदेश में उन्नत कृषि के संबंध में वार्ता की। इज़राइली प्रतिनिधियों ने आश्वस्त किया कि हरदा में 'सेंटर फॉर एक्सीलेंस इंडो इजराइल प्रोजेक्ट' शीघ्र ही प्रारंभ किया जाएगा। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि इजराइल के साथ नॉलेज शेयरिंग से प्रदेश को लाभ मिलेगा। इसके लिये मध्यप्रदेश का हरदा जिला उपयुक्त और महत्वपूर्ण क्षेत्र हो सकता है। हरदा में कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। इज़राइली तकनीक का सहयोग मिलने से हरदा के साथ प्रदेश के किसानों को भी लाभ मिलेगा।

प्रदेश का पहला 500 एमव्हीए ट्रांसफार्मर भोपाल में ऊर्जीकृत

भोपाल। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने नवाचार करते हुए मध्यप्रदेश के अपने ट्रांसमिशन नेटवर्क में लगभग 25 करोड़ की अनुमानित लागत से पहली बार 500 एमव्हीए क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर को स्थापित किया है। गत दिवस 400 के व्ही सबस्टेशन भोपाल में इस विशेष डिजाइन से तैयार करवाये गये 500 एमव्हीए के पावर ट्रांसफार्मर को सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया गया। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने 400 के व्ही सबस्टेशन भोपाल में 400/220/132 के व्ही के 315 एम व्ही ए क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर के लिये लगने वाले स्थान पर ही विशेष डिजाइन से तैयार हुए मेसर्स टी एण्ड आर द्वारा निर्मित इस 500 एम व्ही ए क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर को स्थापित किया है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस उपलब्धि पर ट्रांसमिशन कम्पनी के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी है।

मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता श्री राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि अब तक 400 के व्ही सबस्टेशनों में परंपरागत 315 एम व्ही ए के पावर ट्रांसफार्मर लगाये जाते रहे हैं। इसके स्थान पर पहली बार 500 एम व्ही ए क्षमता का यह पहला पावर ट्रांसफार्मर है, जिसे शासन की ज्यादा से ज्यादा नवाचार अपनाने की मंशा के तहत स्थापित किया गया है।

श्री बलराज कुमार पालोदा ने उपभोक्ता आयोग क्रमांक-एक इंदौर के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया

इन्दौर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, मंत्रालय भोपाल द्वारा श्री बलराज कुमार पालोदा को जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग धार से स्थानांतरित कर जिला उपभोक्ता आयोग क्रमांक-एक इंदौर में अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया है। श्री पालोदा द्वारा अपना कार्यभार आयोग में ग्रहण कर लिया गया है।

श्री इन्द्र सोनी न्यायालय अधीक्षक ने बताया कि इसके पूर्व श्री पालोदा जिला न्यायालय भोपाल में स्पेशल जज के अतिरिक्त जिला न्यायालय इंदौर में स्पेशल जज, विद्युत स्पेशल जज, सी.बी.आई. स्पेशल जज, पी.सी.एक्ट, लोकायुक्त एवं रेल्वे मजिस्ट्रेट के पद पर पदस्थ रहे हैं।

निकालेंगे चुनरी यात्रा, महाआरती में हजारों शहरवासी होंगे शामिल

देवास। आगामी शारदीय नवरात्र के पर्व पर देवास अपना स्थापना दिवस मनाएगा। यह स्थापना दिवस गौरव दिवस के रूप में होगा। इस दौरान विभिन्ना सांस्कृतिक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन सभी शहरवासियों की सहभागिता से किया जाएगा। नगर गौरव दिवस को लेकर गुरुवार को नगर निगम के सभाकक्ष में धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं, संगठनों, व्यापारी प्रकोष्ठ एवं सभी समाज के प्रबुद्धजनों के साथ तथा जनप्रनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। इसमें गौरव दिवस मनाए जाने की रूपरेखा बनाने के लिए सुझाव लिए गए।

बैठक में विधायक गायत्री राजे पवार ने कहा कि नगर गौरव दिवस देवास शहर में मनाया जाना है। प्राचीन माता टेकरी शहर की पहचान है, इसलिए हमने प्रस्तावित किया है कि नगर गौरव दिवस के साथ देवास का स्थापना दिवस भी मनाए।

यह आयोजन शारदीय नवरात्र में मनाया जाना प्रस्तावित है। शारदीय नवरात्र के प्रथम दिवस के साथ तीन दिवसीय मनाया जाएगा। तीन दिन की रूपरेखा तैयार की गई है। हमें पूरे उत्साह के साथ यह मनाना है। इसमें पहले दिन चुनरी यात्रा, दूसरे दिन महाआरती और तीसरे दिन कन्या भोज का प्रस्ताव है।

महापौर गीता अग्रवाल ने कहा कि नगर निगम की ओर से इस बार दशहरा कृषि कला प्रदर्शनी को भव्य रूप में लगाया जाएगा। सभी समाजजन की सहभागिता से ही आयोजन पूरी तरह से

सफल होगा। सभापति रवि जैन ने कहा कि इस महोत्सव को उत्साह से मनाएंगे। इसमें काफी एक्टिविटी होगी। स्पोर्टस से लेकर समाज की दूसरी सभी गतिविधियों को इसमें जोड़ा जाएगा। अन्य एक्टिविटी के साथ 3 दिन यह नगर गौरव दिवस मनाएंगे। दुर्गेश अग्रवाल ने कहा कि देवास शहर में प्रवेश करने वाले सभी चार प्रमुख मार्गों पर आकर्षक साज-सज्जा की जाए। बैठक में नगर निगम आयुक्त विशालसिंह चौहान सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण, सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रत्येक घर में दीप प्रज्वलित हो-प्रत्येक घर पर दीप प्रज्वलित हो। गली-मोहल्लों में आतिशबाजी हो। छत पर भी महाआरती के दौरान दीप प्रज्वलित हो। जगह-जगह इवेंट से संबंधित पोस्टर, बैनर आदि लगाए जाएं। शहर के प्रमुख मंदिरों में आकर्षक सजावट की जाए। शहर में प्रवेश करने वाले मार्गों पर स्वागत द्वार बनाए जाए। सभी पंडालों पर भी गौरव दिवस से संबंधित पोस्टर-बैनर लगाए जाए। गरबा का भव्य आयोजन किया जाए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्थानीय कलाकारों को शामिल करें। शहर के घरों में इस दौरान केशरिया ध्वज लगाए जाएं। बैठक में उपस्थित सभी समाज के प्रबुद्धजनों ने अपने अपने सुझाव दिए। अन्य संस्थाओं के द्वारा भी इस उत्सव में सहभागिता देते हुए सभी के साथ मिलकर उत्सव मनाने का आश्वासन दिया गया।

पूरे नौ दिनों तक उत्साह का माहौल रहे-कलेक्टर चंद्रमौली शुक्ला ने कहा कि देवास ने तिरंगा यात्रा में भारी उत्साह दिखाया है। इसी प्रकार से इस आयोजन में भी सभी की सहभागिता जरूरी है। हम महाआरती का प्लान कर रहे हैं, जिसमें हजारों की संख्या में शहरवासी शामिल हो। पूरे शहरवासी एक साथ मिलकर महाआरती करें और इसके लिए पुलिस परेड ग्राउंड स्थान निर्धारित किया जा सकता है।

कलेक्टर शुक्ला ने बताया कि इस गौरव दिवस पर देवास शहर को गौरवान्वित करने वाले गणमान्य नागरिकों को भी सम्मानित किया जाएगा। नगर गौरव दिवस के तीन दिनों के साथ ही पूरे नौ दिनों तक शहर में पूर्ण उत्साह का माहौल बना रहें। एसपी डाक्टर शिवदयाल सिंह ने कहा कि शहर के आसपास के बड़े शहरों में भी देवास नगर गौरव दिवस मनाए जाने के लिए बैनर-पोस्टर आदि लगाकर प्रचार-प्रसार किया जाए।

जिले में कृषि विभाग की डायग्नोस्टिक टीम द्वारा फसल नुकसानी का किया गया निरीक्षण

मंदसौर। उप संचालक कृषि कल्याण विभाग मंदसौर द्वारा बताया गया कि जिले में किसानों द्वारा अतिवृष्टि एवं कीट-व्याधि से फसल नुकसानी हेतु एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी के टोल फ्री नं. 1800 233 7115 तथा क्रॉप इंश्योरेंस नामक एप के माध्यम से आज दिनांक 27.08.2022 तक लगभग 53 शिकायतें दर्ज की गई है, जिनकी पुष्टी हेतु जिले में कृषि विभाग की डायग्नोस्टिक टीम द्वारा का निरीक्षण किया गया।

जिले के ग्राम भावगढ़ में निरीक्षण उपरांत पाया गया की कृषक श्री नाथुलाल जी, श्री शेर बहादुर खां, श्री मांगीलाल जी की सोयाबीन फसल में जल भराव से अफलन एवं जड़ सड़न रोग देखा गया है। कृषक अर्जून जी तथा शेर जवान खां की फसल सोयाबीन में जल भराव से तना मक्खी का आक्रमण देखा गया है। इसके उपचार हेतु प्रॉपिकॉनाजोल की 500 मि.ली. या टेबुकोनाजोल की 625 मि.ली. मात्रा को 500 लीटर पानी की दर से गोल बनाकर के फसलों पर छिड़काव की सलाह दी जाती है।

निरीक्षण के दौरान मंदसौर जिले के ग्राम चिल्लौद पिपलिया, नागर पिपलिया, सिंदपन एवं एलची, पाडलिया लाल मुहा आदि ग्रामों का भ्रमण भी किया गया, जिसके दौरान पाया गया कि कहीं-कहीं सोयाबीन की फसल में चक्र भ्रंग एवं तना मक्खी का प्रकोप आया गया इसके नियंत्रण के लिए थाईक्लोपिड 21.7 प्रतिशत एससी की 750 मि.ली. मात्रा या इंडोक्साकार्ब 15.8 प्रतिशत एस.सी. की 333 मि.ली. या क्लोरएन्ट्रानिलीप्रोल 18.5 प्रतिशत एस.सी. की 150 मि.ली. मात्रा को 500 लीटर पानी में घोल बनाकर के छिड़काव करें।

जिले में निरीक्षण दौरान उप संचालक कृषि, डॉ. आनन्द कुमार बड़ोनिया, कृषि वैज्ञानिक, डॉ. जी.एस. चुण्डावत, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, श्री चेतन पाटीदार, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, श्री के.एस. मुजाल्दा, एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी के जिला प्रतिनिधि श्री इन्द्रकुमार चौधरी एवं सहयोगी उपस्थित रहे।

डेंगू जागरूकता के अंतर्गत घर-घर समझाइश के साथ वार्ड नंबर 40 में निकली जागरूकता रैली

मंदसौर। जिला प्रशासन लायंस क्लब गोल्ड एवं मलेरिया विभाग के संयुक्त प्रयासों से डेंगू के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए वार्ड नंबर 40 इंदिरा कॉलोनी में जन जागरूक रैली निकाली गई । रैली में घर-घर परिपत्रों के वितरण के साथ लारवा को विनती करण की तरीके बताए गए । जिला मलेरिया अधिकारी डॉ दीपा पाठक ने बताया कि डेंगू से हम सभी जागरूक रहकर अपना बचाव कर सकते हैं बारिश के मौसम में जगह-जगह पानी भर जाता है अगर हम प्रत्येक 7 दिन में इसमें केरोसीन या जला हुआ ऑयल डालें तो मच्छरों की संख्या कम होगी और डेंगू मलेरिया जैसी बीमारी से हमारा बचाओ होगा। घरों के पानी को प्रति सप्ताह बदलते रहे । डेंगू का मच्छर साफ पानी में आपके घरों के अंदर भरे हुए कंटेनर में अंडे देता है अगर हम घरों के अंदर को पानी को अच्छे से पैक करके रखेंगे तो लारवा नहीं बनेगा और बीमारी भी नहीं होगी। लायंस क्लब गोल्ड के अध्यक्ष लॉयन विजय पालोद ने बताया कि बारिश के समय छतों पर रखे कंटेनर को उल्टा करके रखें जिससे उसमें लारवा पनपना सके कार्यक्रम में लाइन विजय पालोद लॉयन दिनेश बालाजी लॉयन संजय पारीक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता नगर पालिका दरोगा के साथ मले विभाग के समस्त कर्मचारी उपस्थित थे ।

तीन साल बाद भी पुल अधूरा, ग्रामीण परेशान

चापड़ा। चापड़ा से बागली के बीच गुनेरा गुनेरी नदी का पुल नीचे होने के कारण थोड़ी सी वर्षा से पुल के ऊपर पानी आ जाता है। इससे आवागमन काफी प्रभावित हो जाता है। बागली से देवास एंबुलेंस भी इस मार्ग से गुजरती है। कई बार तो पुल से 5 घंटे तक पानी नहीं उतरता है। समस्या का निराकरण हो, इसको लेकर नदी पर नया पुल बनाया रहा है, लेकिन 3 वर्षों से पुल का कार्य चल रहा है, लेकिन अभी तक कार्य पूरा नहीं हो पाया है। पुल का कार्य अधूरा होने से लोगों को वर्षाकाल में भारी समस्या का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि जिम्मेदारों को ध्यान देना चाहिए।

इंदौर से नई ट्रेनों के रूट में उज्जैन को किया बायपास

उज्जैन। ट्रेन सुविधाओं से उज्जैन को बायपास किया जा रहा है। इंदौर से देश की राजधानी दिल्ली के शुरू हुई नई ट्रेन के रूट में उज्जैन को शामिल नहीं किया गया है। ट्रेन इंदौर से फतेहाबाद, बड़नगर, रतलाम, नागदा होकर दिल्ली के लिए सप्ताह में तीन दिन चलेगी। इंदौर से चलने वाली यह 12वीं ट्रेन है जिसे उज्जैन से बायपास किया गया है। शहर के जनप्रतिनिधि भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे। इस कारण रेलवे अपनी मनमानी कर रहा है।

रेलवे ने इंदौर से दिल्ली के बीच सप्ताह में तीन दिन चलने वाली ट्रेन शुरू की है। ट्रेन प्रति बुधवार, शुक्रवार, रविवार को इंदौर से शाम 4 बजकर 45 मिनट पर चलकर फतेहाबाद, बड़नगर, रतलाम, नागदा, कोटा, मथुरा होते हुए अगले दिन सुबह पांच बजे नईदिल्ली पहुंचेगी। वहीं नईदिल्ली से यह ट्रेन प्रति गुरुवार, शनिवार, सोमवार को शाम सवा सात बजे चलकर मथुरा, सवाई माधोपुर, कोटा, नागदा, रतलाम, बड़नगर, फतेहाबाद होते हुए अगले दिन सुबह पौने सात बजे इंदौर पहुंचेगी।

भगवान महाकाल को साढ़े चार किलो चांदी का मुकुट भेंट

उज्जैन। ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में गुजरात बड़ोदरा से आए भक्त चंद्रकांत एल मंदाना ने भगवान महाकाल को चाढ़े चार किलो चांदी से निर्मित मुकुट भेंट किया।

सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने मुकुट प्राप्त कर विधिवत रसीद प्रदान की। इसी प्रकार इंदौर के श्री महादेव सहारा सुकृत ट्रस्ट द्वारा मंदिर में चल रहे निर्माण कार्यों के लिए समिति को पांच लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया। मंदिर समिति की ओर से अधिकारियों ने दानदाता का सम्मान किया।

पिनाका रॉकेट का सफल परीक्षण

नई दिल्ली। स्वदेशी और रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित पिनाका रॉकेट की क्षमता लगातार बढ़ाई जा रही है। पिछले कुछ हफ्तों में बालासोर और पोखरण में पिनाका की बढ़ी हुई क्षमताओं का परीक्षण किया गया। रक्षा क्षेत्र में मेक इन इंडिया की सफलता में मुनिशन्स इंडिया लिमिटेड और इकोनॉमिक एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड सहित अन्य निर्माताओं ने इस परीक्षण के पूरा होने और पिनाका की क्षमताओं को बढ़ाने में काफी सहयोग किया।

पिनाका एमके-आई एक अपग्रेटेड रॉकेट प्रणाली है, जिसका पहले भी कई बार सफल परीक्षण किया जा चुका है। डीआरडीओ की टेक्नोलॉजी के आधार पर इन रॉकेट प्रणालियों को विकसित किया गया है। पिनाका एमके-आई रॉकेट प्रणाली की मारक क्षमता लगभग 45 किलोमीटर है। वहीं, पिनाका-II रॉकेट सिस्टम की मारक क्षमता 60

किलोमीटर है। इस रॉकेट प्रणाली को डीआरडीओ की दो प्रयोगशालाओं आयुध उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल) और अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (एआरडीई) ने संयुक्त रूप से डिजाइन किया है।

पिनाका से नजदीक दुश्मन टारगेट को ध्वस्त किया जा सकता है। डीआरडीओ ने 1980 के दशक में पिनाका रॉकेट सिस्टम को विकसित करना शुरू किया था। इसके बाद 1990 के आखिर में पिनाक मार्क-वन के सफल परीक्षण ने भारतीय सेना को बड़ी मजबूती प्रदान की।

पिनाक सिस्टम की एक बैटरी में छह लान्चिंग वाहन होते हैं। पिनाका-छ्ठ को एक गाइडेड मिसाइल की तरह तैयार किया गया है। 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सेना ने पिनाक मार्क-1 संस्करण का इस्तेमाल किया था, जिसने पहाड़ की चौकियों पर तैनात पाकिस्तानी चौकियों को सटीकता के साथ निशाना बनाया था और युद्ध में दुश्मन को पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया था

अनिल देशमुख की 13 सितंबर तक बढ़ाई न्यायिक हिरासत

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को राहत मिलती दिखाई नहीं दे रही है। 100 करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार के मामले में स्पेशल पीएमएलए कोर्ट ने उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में ही थे जिसे 14 दिनों के लिए बढ़ाकर 13 सितंबर तक कर दी गई है। मंगलवार को उनकी न्यायिक हिरासत की अवधि खत्म हो रही थी। इस मामले को लेकर अनिल देशमुख से लगातार पूछताछ की जा रही है। आपको बता दें कि मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में अनिल देशमुख को 2 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था। मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह ने अनिल देशमुख के खिलाफ 100 करोड़ की वसूली का आरोप लगाया था।

विपक्ष को 2024 के लोकसभा चुनावों की चिंता नहीं करनी चाहिए-प्रकाश जावड़ेकर

ठाणे (महाराष्ट्र)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता प्रकाश जावड़ेकर ने सोमवार को कहा कि विपक्ष को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व तथा देश के लोगों के लिए उनके द्वारा किए जा रहे काम को समझना चाहिए। जावड़ेकर ने विपक्ष को 2024 के लोकसभा चुनावों की चिंता न करने और इसके बजाय 2029 के चुनावों के

बारे में सोचने की सलाह दी। जावड़ेकर ने कहा कि 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश का माहौल सकारात्मक रूप से बदल गया। भाजपा नेता ने कहा कि देश को ऐसा प्रधानमंत्री मिला, जो अलग सोच तथा कार्यक्रमों के साथ आए, जिन्होंने लोगों से सीधे संवाद किया तथा शासन में पारदर्शिता लेकर आए।

परिवहन, पर्यटन, सेवा क्षेत्र में सहकारिता को बढ़ावा देने पर मंथन

आलीराजपुर। ग्रामीण परिवहन, खनिज, पर्यटन, श्रम, सर्विस सेक्टर, स्वास्थ्य आदि नए क्षेत्रों में सहकारिता को प्रोत्साहन देने, प्रत्येक ग्राम स्तर पर ग्रामीण औद्योगिक सहकारी समिति का गठन एवं पंजीयन किये जाने तथा कृषि प्रसंस्करण के क्षेत्र में नवीन सहकारी समितियों के निर्माण को बढ़ावा देने के संबंध में कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कोर कमेटी की बैठक सह कार्यशाला हुई। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में जिले में सहकारी समितियों के गठन एवं अधिक से अधिक व्यक्तियों को विभिन्ना क्षेत्रों से जोड़ने को लेकर चर्चा और विचार विमर्श किया गया। पूर्व से गठित समितियों को प्रशिक्षण देते हुए सशक्त करने के दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में जिले में विभिन्ना क्षेत्रों में मत्स्य, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, पर्यटन आदि की सहकारी समितियों के गठन को लेकर चर्चा हुई। बैठक में

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत संस्कृति जैन, सांसद प्रतिनिधि माधोसिंह डावर, जिला पंचायत सदस्य मांगीलाल चौहान तथा सहकारिता, कृषि, उद्यानिकी, जिला सहकारी बैंक, दुग्ध संघ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

नीतीश का पीएम पद वाला दांव

जदयू दफ्तर के बाहर पोस्टर में लिखा

प्रदेश में दिखा, देश में दिखेगा

पटना। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर अब राजनीति तेज होती दिखाई दे रही है। गठबंधन को लेकर नित्य नए-नए कोशिशें की जा रही हैं। भाजपा की ओर से साफ तौर पर कह दिया गया है कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी। लेकिन मोदी का मुकाबला किससे होगा, अभी भी यह सवाल बना हुआ है। राजनीति में कई नाम लगातार चर्चा में आ रहे हैं। विपक्ष की ओर से पीएम पद के चेहरे को लेकर कभी ममता बनर्जी का नाम सामने आता है। तो कभी शरद पवार का। कभी नीतीश कुमार तो कभी के चंद्रशेखर राव का। के चंद्रशेखर राव कल बिहार दौरे पर थे। माना जा रहा है कि बिहार दौरे के के दौरान वह 2024 चुनाव को लेकर नया समीकरण तलाशने की कोशिश कर रहे थे। तेलंगाना के सीएम से पटना में यह सवाल पूछा गया कि क्या 2024 में वह नीतीश के पीएम पद की उम्मीदवारी का समर्थन करेंगे? इसका जवाब तो उन्होंने नहीं दिया। लेकिन इतना जरूर कह गए कि नीतीश कुमार बेस्ट नेता है।

लेकिन यह बात भी तय है कि जदयू की ओर से अब नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री पद के लिए आगे किया जा रहा है। यही कारण है कि पटना में जदयू कार्यालय के बाहर पोस्टर भी लगे हैं। जदयू कार्यालय के बाहर कई पोस्टर लगे हैं। इसमें साफ तौर पर नीतीश कुमार के कामकाज को दिखाने की कोशिश की गई है। लेकिन एक पोस्टर में जो लिखा है उससे साफ तौर पर जाहिर होता है कि नीतीश कुमार को जदयू प्रधानमंत्री पद के लिए आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही है। एक पोस्टर में लिखा है प्रदेश में दिखा, अब देश में दिखेगा। इसके अलावा एक पोस्टर में लिखा है जुमला नहीं, हकीकत। आश्वासन नहीं, सुशासन। भले ही जदयू की ओर से यह साफ तौर पर नहीं कहा जा रहा है कि 2024 में नीतीश कुमार प्रधानमंत्री पद के दावेदार होंगे। लेकिन इतना तो तय है कि कहीं न कहीं नीतीश कुमार के नाम को जदयू आगे करने की कोशिश लगातार कर रही है।

हालांकि कुछ लोग लगातार यह भी सवाल कर रहे हैं कि के चंद्रशेखर राव पटना दौरे के दौरान पीएम पद के लिए नीतीश के नाम का समर्थन नहीं किया है. मीडिया ने जब सवाल किया तो चंद्रशेखर ने यह भी कह दिया कि वक्त आने पर नेता जरूर सुनेंगे. आप इतने घबरा क्यों रहे हैं। नीतीश और केसीआर ने संवाददाता सम्मेलन में भाजपा मुक्त भारत का आह्वान किया। हालांकि, इससे पहले जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने भी साफ तौर पर कहा था कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री पद के दावेदार नहीं हैं। पर उनमें इसके लिए जरूरी सभी गुण मौजूद हैं। उन्होंने यह भी दावा किया था कि नीतीश कुमार 2024 चुनाव को लेकर विपक्षी एकता को मजबूत बनाने की दिशा में काम करेंगे। वहीं, जदयू के वरिष्ठ नेता और पार्टी के संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने भी कहा है कि 2024 में परिस्थितियां अनुकूल रही तो नीतीश कुमार सर्वश्रेष्ठ प्रधानमंत्री साबित हो सकते हैं। लेकिन जदयू विपक्ष की एकता की कीमत पर इसके लिए जोर नहीं डालेगी।

नीतीश ने गंगा नदी के आसपास के इलाकों का किया दौरा कर बढ़ते जलस्तर का जायजा लिया

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को पटना के कच्ची दरगाह और अन्य स्थानों पर गंगा नदी के बढ़ते जल स्तर का निरीक्षण किया और अधिकारियों को सतर्क रहने तथा जल स्तर बढ़ने पर स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव के साथ मुख्यमंत्री ने अटल पथ, जेपी गंगा पथ होते हुए राघोपुर क्षेत्र में स्थिति का आकलन करने के लिए अन्य अधिकारियों के साथ कच्ची दरगाह से मोटर बोट पर सवार होकर गंगा नदी के बढ़े हुए जल स्तर का निरीक्षण किया।

राघोपुर विधानसभा सीट उपमुख्यमंत्री का गृह क्षेत्र है। पटना और आसपास के इलाकों में कुछ जगहों पर गंगा खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।मुंगेर और भागलपुर जिलों के कुछ

इलाकों में गंगा खतरे के निशान को भी छू चुकी है। राज्य के जल संसाधन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि गंगा के जल स्तर में वृद्धि सोन नदी के माध्यम पानी के बढ़ते बहाव के कारण भी हुई है।

अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को सतर्क रहने और जल स्तर में और वृद्धि होने पर आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने राघोपुर के गांव रुस्तमपुर में बिहार के पूर्व मंत्री दिवंगत उदय नारायण राय उर्फ भोला राय के परिजनों से भी मुलाकात की। राय राघोपुर से विधायक रहे थे और उन्होंने राजद प्रमुख लालू प्रसाद और उनकी पत्नी राबड़ी देवी की सरकारों में मंत्री के रूप में कार्य किया। उनका हाल ही में राघोपुर में निधन हो गया।

मुद्रक एवं प्रकाशक संजय अग्रवाल द्वारा गोल्ड कॉईन सेवा ट्रस्ट के पक्ष में राजा ऑफसेट प्रिंटर्स, 863/9, नेहरू नगर, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित तथा 54-55, चाणक्यपुरी, अन्नपूर्णा रोड, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संजय अग्रवाल* (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)